[This question paper contains 7 printed pages.]

5854 आपका अनुक्रमांक.....

B.A. Programme-II/III **E**

HINDI LANGUAGE (A)—Paper II

हिंदी भाषा (क)-प्रश्न-पत्र II

(प्रवेश-वर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात्-नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिये/NCWEB के विद्यार्थियों के लिये)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी : *प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A') के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।*

1. अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(क) चिर तृषित कंठ से तृप्त-विधुर,
वह कौन अकिंचन अति आतुर
अत्यन्त तिरस्कृत अर्थ-सदृश

P.T.O.

ध्वनित कंपित करता बार-बार
धीरे से वह उठता पुकार-
मुझको न मिला रे कभी प्यार।

(1) कविता का शीर्षक व कवि का नाम लिखिए।

(2) 'ध्वनि कंपित' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(3) 'वह कौन अकिंचन अति आतुर' किसके लिए कहा गया है?

(4) अकिंचन एवं तिरस्कृत शब्दों के अर्थ लिखिए।

(ख) बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति, शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं, कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी। इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं। मानो दोनों एक दूसरे को ठगने की घात में हों। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दीखता है और यह बाजार का, बल्कि इतिहास का सत्य माना जाता है (ऐसे बाजार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता, बल्कि शोषण होने लगता है। तब कपट सफल होता है,

निष्कपट शिकार होता है। ऐसे बाजार मानवता के लिए विडम्बना है।

(1) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(2) 'बाजार का बाजारूपन' से लेखक का क्या तात्पर्य है?

(3) कैसे बाजार को लेखक मानवता के लिये विडम्बना बता रहा है?

(4) 'पर्चेचिंग पावर' से लेखक का अभिप्राय क्या है?

(ग) शहरों की प्रकृति और उनकी कौंध बड़ी भिन्न और अजीब होती है। आप देखेंगे कि कुछ शहर चाकू की तरह तेज और चमचमाते हैं, कुछ धीरे-धीरे मलिन, सुस्त जुगाली करते रहते हैं, कुछ बिना बात बीहड़ और उद्दण्ड हैं। कुछ बगीचों की तरह, भरी पूरी सक्रिया स्त्रियों की तरह दमदमा रहे हैं। कुछ शहर धीमे, लापता आपको लपेट लेंगे। हम उनसे भागना चाहते हैं, भाग नहीं पाते और मर्ज लाइलाज हो जाता हैं। सारी उम्र भागते रहते हैं, लानत मलामत करते हैं और वहीं ढेर हो जाते हैं सवाल यह है कि शहर के बारे में दूसरे जीवनयापन करने वालों से अलग एक रचनाकार की दृष्टि या आधुनिक नज़र क्या होनी चाहिए। नास्टेलजिाया की, स्वप्न की, मलामत की या विवशता की। इलाहाबाद एक ऐसा शहर है जिसने कई शताब्दी हुए अपनी पताका पण्डों की पताकाओं की तरह नदी की घट पर निरन्तर फहराई। इसी नदी के किनारे भारतीय लोक जीवन को एक मेहनतकश नाविक राम के पैर पखार रहा था। तब से आज तक अखाड़ों, धर्मस्थलों, विश्वविद्यालयों और न्यायालय की इलाहाबाद के तिलिस्म को अपने

भीतर कैद किए हुए हैं। तिलिस्म की यह डिबिया अब खुल गई है।

(1) पाठ का शीर्षक व लेखक का नाम लिखिए।

(2) लेखक की दृष्टि में शहरों की प्रकृति कैसी है?

(3) शहर के विषय में लेखक किस आधुनिक सोच की अपेक्षा करता है?

(4) इलाहाबाद के विषय में लेखक किस तिलिस्म की बात करता है? (8, 8)

2. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

(1) 'पर्दा उठाओ', 'पर्दागिराओ' शीर्षक की व्यंजना स्पष्ट कीजिए।

(2) पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के लिये लेखक किन नियमों को अपनाने पर बल देता है?

(3) 'गहरी नींद के सपनों में बनता हुआ देश' निबन्ध की मूल संवेदना पर प्रकाश लिखिए।

(4) 'मुझे कदम-कदम पर' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

(5) 'मैं हार गई' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए। (3,3,3)

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए-

(1) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।

(2) खड़ी बोली का सामान्य परिचय।

(3) सम्पर्क भाषा व हिन्दी (4,4,4)

4. निम्नलिखित अपठित अंश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

विद्यार्थी के लिए अनुशासन और भी अधिक महत्त्वपूर्ण है। विद्यार्थी जीवन मनुष्य के भावी जीवन की आधारशिला है अत: इसी काल में वह अनुशासन सीख सकता है। एक तो उसे विद्याध्ययन के लिए अनुशासन में रहना आवश्यक है, दूसरे भावी जीवन की सफलता के लिए अनुशासन के गुण को सीखना और उस पर आचरण करना विद्यार्थी का कर्तव्य बन जाता है। यदि वह इस काल में इस गुण को नहीं अपनाता, तो उसके परिणाम वर्तमान के लिए तो हानिकारक होते ही हैं, बड़े होकर जीवन के किसी भी क्षेत्र में अनुशासन की प्रवृत्ति के अभाव में उसकी सफलता की आशाएँ धूमिल हो जाती है। अत: विद्यार्थी के जीवन में अनुशासन सर्वांगीण विकास के लिये आवश्यक है। अनुशासन के अभाव में विद्यार्थी अपने लक्ष्य से भ्रष्ट हो सकता है। इसके विपरीत अनुशासन में रहनेवाला विद्यार्थी आज का आदर्श विद्यार्थी और कल का सफल कर्णधार हो सकता है।

(1) उक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(2) मनुष्य के भावी जीवन की आधारशिला किसे कहा गया है?

(3) आदर्श विद्यार्थी के लक्षण लिखिए। (6)

5. हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

Most of the people, around 70 per cent, lived in villages. Their ways of living characterised the Indian

economy. The Indian economy was almost entirely rural. The villages, however, were mostly self sufficient units. All the material needs for the village people were satisfied locally. Only a few goods like salt and some luxury goods such as ornaments were brought form outside. Further, all the artisans lived in villages and took care of the necessities of the population other than food. The lack of adequate communications too kept the villages away from outside contact.

(6)

6. निम्नलिखित कथांश का संवाद शैली में रूपांतरण कीजिए-

उसने बहुत ही बुझे स्वर से कहा, "यह तो सब ठीक है, पर मेरी अन्धी माँ और बीमार बहन का क्या होगा? मुझे देश प्यारा है, पर ये लोग भी कम प्यारे नहीं।"

मैं झल्ला उठी, "तुम नेता होने जा रहे हो कोई मजाक है? जानते नहीं, नेता लोग कभी अपने परिवार के बारे में नहीं सोचते, वे देश के, सम्पूर्ण राष्ट्र के बारे में सोचते हैं। तुम्हें मेरे आदेश के अनुसार चलना होगा। "

उसने सब कुछ अनसुना करके कहा, 'यह सब तो ठीक है पर मैं अपनी अन्धी बूढ़ी माँ की दर्दभरी आहों की अपेक्षा, किसी भी मूल्य पर नहीं कर सकता।

(6)

7. (क) शब्द-शक्ति के भेदों का उल्लेख कीजिए। (4)

(ख) ऊँट के मुँह में जीरा होना-लक्ष्यार्थ स्पष्ट कीजिए। (4)

(ग) "भरी सभा में वह जो नहला मार गये थे, उस पर मैं दहला नहीं, सीधे इक्का ही फटकाना चाहती थी," निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए। (4)

8. (क) कोष का महत्त्व लिखिए- (4)

(ख) निम्नलिखित शब्दों को वर्ण क्रमानुसार लिखिए-
गद्यांश, अपठित, काक, गोत्र, दस, आशा, वैभव, पुत्र (4)